महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र

चीनी विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक संबंध और मजबूत हो: प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा 13 अप्रैल, 2019. दिनांक : 13 अप्रैल, 2019 को दोपहर 12 : 00 बजे चीन गणप्रजातंत्र कन्स्युलेट कार्यालय के **कन्साल जेनरल थाङ कुओत्साए** एवं दो पदाधिकारी **श्री फान हाओनान** व **तङ शिङषङ** एक सदभावना सफर एवं विश्वविद्यालय की मजबूत छवि एवं प्रतिष्ठा पर बधाई देने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से मिलने के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में आये थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने भाषा विद्यापीठ में अतिथियों को पुष्प गुच्छ और सूत-माला तथा गांधी जी का चरखा देकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह एवं भाषा विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल से भारत – चीन सांस्कृतिक एवं अकादमिक संबंध के आदानप्रदान विषय पर एक गहन चर्चा किया।

चर्चा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय के प्रगति के बारे में एवं चीनी विश्वविद्यालयों के साथ लगातार हो रहे अकादमिक आदान – प्रदान कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया। उन्होंने विश्वविद्यालय में आये चीन के विद्यार्थियों के (बारे में लगभग 06 चीनी विश्वविद्यालयों के छात्र हिंदी सीखने आते है) अवगत कराया। माननीय कुलपति ने चीनी कन्साल जेनरल थाङ कुओत्साए को विश्वविद्यालय के नियमित पाठ्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रमों, विश्वविद्यालय की चीन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों एवं अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को रहने के लिए विशेष रूप से निर्मित फादर कामिल बुल्के छात्रावास की सुविधा आदि के बारे में अवगत कराया।

(चीनी दल के साथ प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल एवं प्रो. कृष्ण कुमार सिंह)

कन्साल जेनरल थाङ कुओत्साए ने चीनी विश्वविद्यालयों के साथ और अधिक अकादमिक आदान-प्रदान बढ़ाना, सांस्कृतिक और अकादमिक कार्यक्रम का आयोजन करने के बारे में चर्चा की उन्होंने विश्वविद्यालय के अकादमिक गतिविधियाँ, पाठ्यक्रम विदेशी भाषा के पाठ्यक्रमों एवं विद्यार्थियों के प्रगति के बारे में अपना संतोष व्यक्त किया। इस चर्चा में विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र के प्रभारी एवं चीनी भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिर्बाण घोष, स्पैनिश भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. रवि कुमार, फ्रेंच भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार, जापानी भाषा के सहायक प्रोफेसर श्री सन्मति जैन भी उपस्थित थे।

(विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ संवाद कार्यक्रम)

इस दौरान भाषा विद्यापीठ के कक्ष सं. 02 में विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र के विद्यार्थियों के साथ कनसाल जेनरल थाङ कुओत्साए एवं दो पदाधिकारी श्री फान हाओनान व तङ शिङषङ एक संवाद सत्र का आयोजन किया गया था। अपने संवाद में थाङ कुओत्साए ने कहा कि " चीन – भारत का मिट्टी और पानी एक है, हम दौ देश है लेकिन वस्तुत: हम एक हैं। इस विश्वविद्यालय की मजबूत छवि एवं प्रतिष्ठा स काफी प्रभावित हूँ। चीन में इस विश्वविद्यालय का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। चीन के

छात्र और शिक्षक हिंदी सीखने के लिए इसे सर्वोत्तम संस्थान के रूप में देखते हैं। हम अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थियों को यहाँ भेजना चाहते है। " जिसमें आगंतुक अतिथियों के साथ केंद्र के शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और विद्यार्थियों के साथ छात्रवृत्ति, चीन में भाषा अध्ययन सुयोग, कनसुलेट कार्यालय के ओर से भाषा संबंधी कार्यशाला व संगोष्ठी की आयोजन में सहायता प्रदान, शिक्षक – विद्यार्थियों को चीन में अध्ययन और शोध कार्यक्रम में सुविधा प्रदान के बारे में चर्चा की। संवाद सत्र कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रवि कुमार ने किया। कार्यक्रम के सुचारू रूप से व्यवस्थापन में विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार एवं श्री सन्मति जैन ने सहयोग किया।

(चीनी दल के साथ केंद्र के सभी अध्यापक एवं विद्यार्थीगण)

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सहायक संपादक डॉ. अमित विश्वास, डॉ. राजीवरंजन, सुश्री विजया सिंह, श्री नवनीत त्रिपाठी, लिपिक धनंजय भट्टाचार्य, श्री सद्दाम होसेन तथा विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र के विद्यार्थियों उपस्थित थे।

कार्यक्रम संयोजक : डॉ. अनिर्बाण घोष
प्रभारी एवं सहायक प्रोफेसर, विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र